





श्रीगुरुआम्ना ॥ ॐ अदिहं फट स्वाहा धार २७ ये मंत्र मी पु गु
 या पु य ॥ ॐ अरुना हां हु फट स्वाहा धा व ५ मी वा स्या क या पु
 य ही न ३ स्व लु माल सु त व यो जी व ॥ ॐ तालि तु ले तु तालि सु

फोनेगु ॥ ८॥ कोमिस्वरय स्वाहा था ७ नयवस्तु
 पुयावनके मोसावस्तु ॥ ९॥ ॐ असमनि स्वाहा
 था ७ स्वानजपल पंधुयस्तु क वच ॥ १०॥ ॐ ॐ
 रो भैरी की भैरी मुखा वा दते र हं मुखे जह चापी
 ता मोही राजा मोही प्रजा मोही वहवस्तु ठ नय
 द मोही नगर वहि सींदी गुरु आग्या था ५ व द
 न स्वानजपल पंच द न तीय स्वानहु य रा जक

प्रजा मोह ॥ ११॥ ॐ भवानी भवानी पार्वती
 तीमा इजली नीमाइ सत्यजप करय गोरि प्र
 मिस्वरि श्री लोही या के आग्या फुरि म
 वंद स्वरा वा व था ३ लख पु य रवाल सीय
 राजा मोह लख जपल प तो नि मे व न अ व
 चारया य म फु ॥ १२॥ ॐ श्री सींदी नगानी

मोहन

पानीमा फु
 की मुख थु
 न राजा ५
 जामो ह

श्रीकोसानी वृजुजीगीनीसे आग्राहुंहीहूँः था ॥
 चंदनजपावपुय तीये सकल मीसात मीजनतव
 सि ॥१३॥ ॐ हाहीहूँ स्वाहा फुरमवइ स्वरवायधा
 रयकोगी यजपल पावनय सर्वः मोहनी ॥१४॥
 ॐ आ ॐ हीहूँ वीजनहुहु फुर स्वाहाः ज्वालय
 वीया वनेक वीक वया लाइवें जुल ॥१५॥ ॐ
 वजरकीलय महाकीलय वें नत जहर हारायहु

फुर स्वाहा था ॥ वीकृत ॥ जप लप नके कीमीकी
 थय ॥१६॥ दीये वेदी भुवनहु स्पेत स्वा
 हा था २१ गो यजपलप मीसाल के वरस्प ॥१७॥
 ॥ श्रीका मरूपी श्रीकामे स्वरी देवी कामरु
 पी जय ३ कामे स्वरी माता सभ ॥ ॐ श्री श्रीगु
 की आग्रा था ३ पाव माहल जप लप जुल

सम

३

घ

पानमा मंत्र
 लेखीराम
 मजोराम

नृगामार
 मेधेन

१. नत्पावेके ॥ १८ ॥ ॐ नमो ह्रीवज्रपा मीनी क
रु र ह्री ह्री ह्री की स्वाहा था ३ ल य ज प ल पा व तो
ने के पीर ती म रु पी पीर ती या य ॥ १९ ॥ ॐ
वीरवर माहा स त्री क ल थी को मा री ह का ह्री
ह्री स्वाहा था ३ ज प ल पा व ल य तो ने क स वा व
य म प्र या रु य के ॥ २० ॥ द स नारी दि द नी

फ र स्वाहा था २ याल स ९ य ही की य ॥
२१ ॥ सर्व नारी पा धारि ह्री ग ४ ह्री ह्री ग ५ स्वर
माहा देव या पा र्क ती गुरु आ ग पा था ३ ह्री
सी व गु की य ॥ २२ ॥ ॐ ॐ ॐ सी व का स ती प्र
ह्या नी ती य र व को ती त द था द नी ह्री ह्री फ
र स्वाहा था ७ मे ले न य या र ॥ २३ ॥

प्रीति
ली

सुतको
पाडो
ने

रागत
मने

नात्रो
कामा
ने

ॐ तारिषा नदय रया सी अपुत्रो त्री दानि सरवहु
 चा ३ वा जपल पा वहे स कय के देहवी य ॥ २४ ॥
 ॥ ॐ नमो ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं फरु स्वाहा धा ३
 आषि जपल पा वमी सा त कय के नाम कया व
 स्प ॥ २५ ॥ ॐ मेरे मे ह ननु चि ३ गुरु वन गुरु वा
 के सी डी काम रजो मी का ही व्या वहु फरु स्वा
 धा ॥ ॐ वा जपल पा वमी सा न के व स्प ठ व के तु

म स्त्री रूप

नमो
वस्प

तारिषा
विधि

नाम

वा न लिपि

मन जु डूत ॥ २६ ॥ ॐ सारि मा हा सारि मा रि मो व
 नी य ह्रीं ह्रीं फरु धा ॥ लय ज पल पा व ती न के
 माल को ठय ॥ २७ ॥ ॐ ह्रीं ३ ह्रीं गायत्री ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 फरु स्वाहा दु ग मु ल हा य के ॥ २८ ॥ ॐ सार य २
 मह नी य के ते स्वा हा धा ॥ माल को म द या ल
 य ज प या ना ती ती न के ॥ २९ ॥ ग्लां गलीं ग्लु
 गो धा १० हु या हा य प न स पु य म्बा के ॥ ३० ॥

साजन मरेप
माल आरे

माल आरे

सुं सुं जी गुं फट् स्वाहा था व ली काय ॥ ३१ ॥
 ॐ न म श्री कुं मुद्रा ज भूय अ म क व स मं व जी
 स्वाहा ७ व जी ज पं पं न के मी सा व से ॥ ३२ ॥ ॐ
 न सो मा हा प अ नी अ हे म हे मा स्वाहा था ७
 मी सा वो ने मं त्र ॥ ३३ ॥ ॐ नी ल कं नं म हा ते ज
 हुं स्वाहा था ३ ल य तो न के क ठु स्या क या ३४ ॥

प्रादी
 रेखा

श्री श्री स स ह्रीं ह्रीं गुरु तारुणी हूं हूं स स्वा
 हा था ३ ता हा पो स स्वा न पु य ता हा पो ठ व
 ठा स व द ॥ ३५ ॥ सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं
 सुं सुं मा हा दे व गुरु आ ग पा हूं फट् स्वा
 हा था ७ पो ल स पु य नी भ वा का य पो न
 स पु य गुरु आ ग पा व स हा हा ती स्य क अ

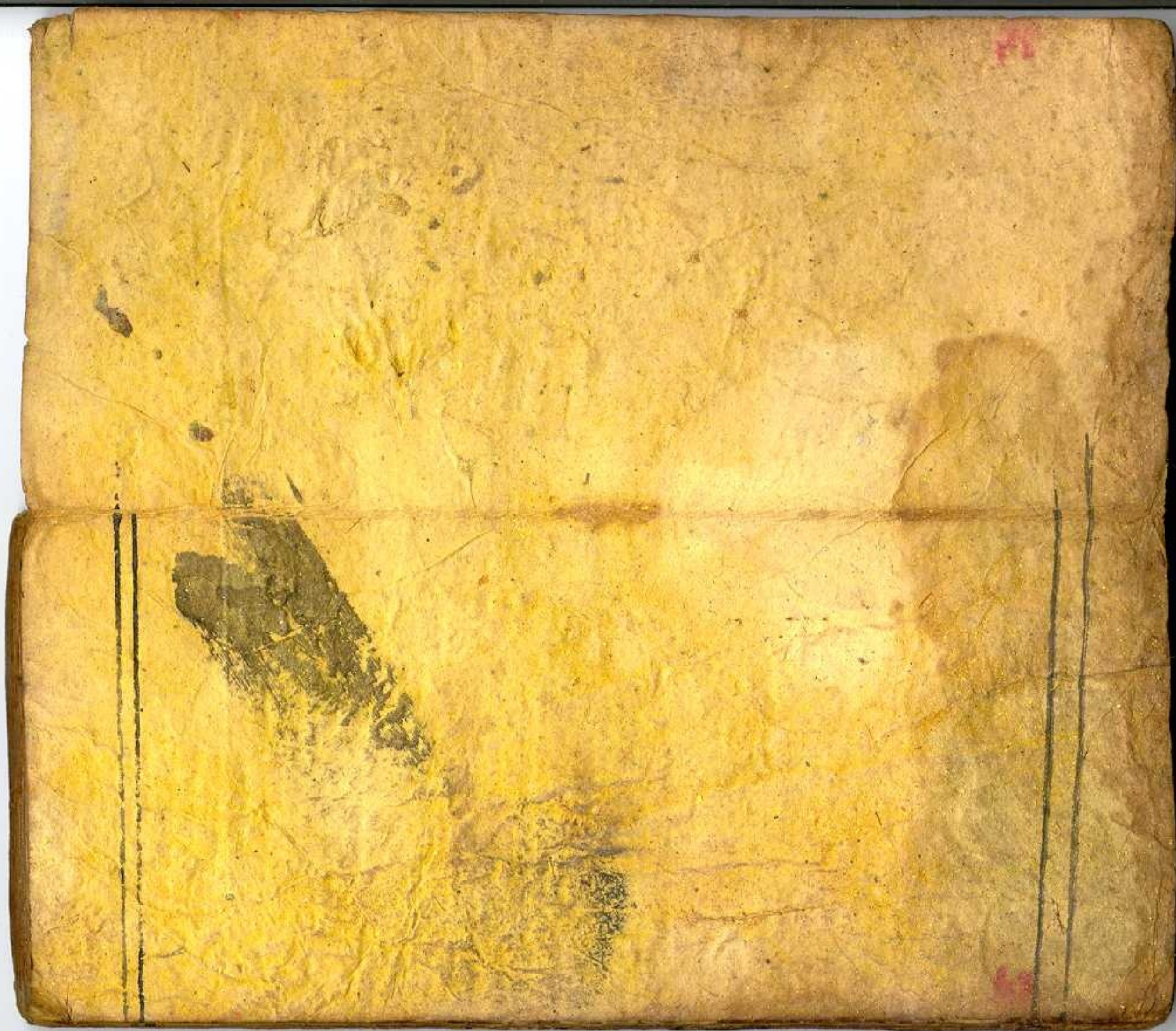
जय ॥३६॥ ॐ ता २ माहा गार हलु मंत ता र्वे
ग ता ट वी ज र सी च ~~की~~ की आ उ पा व्या

७ अ दो त पु य था व ल स द्या य सु ना ज
पी य म फु ता हि ला चा गा ये के म जी डि ॥३७॥

॥३८॥ की की प सा सी नी य फु र स्वा हा धा ७ ध म र न ल
अ ज ध ल प सी आ तो न के व स्य सु ल ॥३८॥





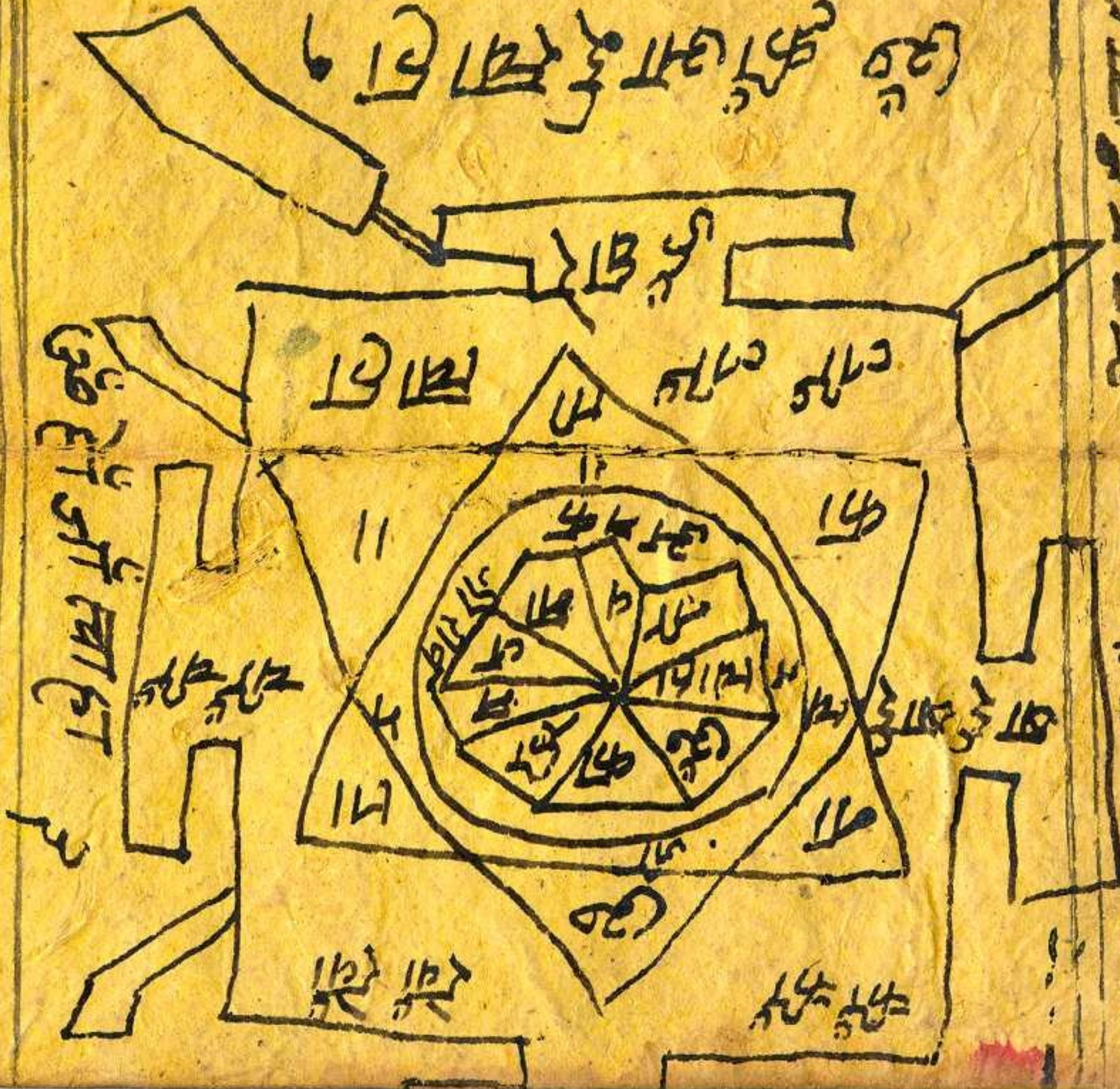


ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



1431512

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥
सर्ववैद्य ॥
सर्वशक्ति ॥
सर्वज्ञ ॥
सर्वेश्वर ॥
सर्वभूतेश्वर ॥
सर्वलोकेश्वर ॥
सर्वव्यापक ॥
सर्वभूतेश्वर ॥
सर्वलोकेश्वर ॥
सर्वव्यापक ॥

सर्वभूतेश्वर



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

